SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-4-1)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश-:

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं", किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीतिदस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना/, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्रवेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और / "आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित औरया नवीन उत्तरों की शुद्धता/ का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यताआधारित प्रश्नों का मूल्यांकन - करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं।

	ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर (√)'x' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही चिह्न नहीं लगाएंगे (✓), जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए से 0 80/70/60/50/40/का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने (अंक 30 में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन घंटे मूल्यांकन कार्य करना 8 उत्तर पुस्तिकाओं और 20 होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिनअन्य विषयों में प्रतिदिन उत्तर 25 । यह कम (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है) पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ:

	उत्तरों को सही चिह्नित करना ●, लेकिन अंक न देना। सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप) से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिएx का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।(उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस)x) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य)0अंक दिए जाने चाहिए। (
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को मौके पर मूल्यांकन के लिए " निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।-में दिए गए दिशा "दिशानिर्देश
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकोंमुख्य /अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना
इतिहास (विषय कोड-027)
(पेपर कोड : 61/4/1) (12-04-27N)

नोट: अंकन योजना में उल्लिखित पृष्ठ संख्याएँ नवीनतम एनसीईआरटी ई-पुस्तक से ली गई हैं।

प्रश्न सं.	मूल्य बिंदु	पृष्ठ.संख्या	अंक
	खण्ड क **(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)**		**21x1=21**
1.	D - मेलुहा हड़प्पा के व्यापारिक क्षेत्र को संदर्भित करता था।	14	1
2.	A – अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।	32	1
3.	प्रश्न में दिए गए विकल्पों में से कोई भी सही नहीं है। अतः प्रश्न का उत्तर देने वाले छात्रों को एक अंक दिया जाएगा।		1
4.	D. एकलव्य	62	1
5.	D – मथुरा **दृष्टिबाधित परिक्षथियो के लिए:** C – थेरवाद	103 103	1 1
6.	A. a-ii , b- i, c-iv, d-iii	20-21	1
7.	B – विवाह के समय और रिश्तेदारों से प्राप्त उपहार	68	1
8.	C – मार्को पोलो- इटली	137	1
9.	B – केवल I और II सही हैं	164-165	1
10.	D – कृष्णा और तुंगभद्रा नदियों के बीच का क्षेत्र	173	1
11	B – अकबर	197	1
12.	D – बंजर	214	1
13.	C – गुरु रैदास	165	1
14.	B – I, II, और III सही हैं।	118–119	1
15.	A – सिधू मांझी	242	1
16.	D – मैसूर	262	1

17.	C – बंगाल	287	1
18.	A - a-iv, b- iii, c-ii, d-i	332	1
19.	C – अभिकथन (A) सत्य है, परन्तु कारण (R) असत्य है।	270	1
20.	B – ज्योतिबा फुले	326	1
21.	D – बम्बई	255	1
	खंड- ख **(लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**6x3=18**
22.	**(क) कल्पना कीजिए कि आप हड़प्पा की कृषि पर एक शोध परियोजना लिख रहे हैं। पुरातात्विक साक्ष्यों की कौन सी तीन जानकारीयाँ आप इसे समझाने के लिए उद्धृत करेंगे?** i. अनाज की खोज से कृषि की व्यापकता का संकेत मिलता है। ii. मुहरों और मिट्टी मृणमूर्तियों पर बने चित्र दर्शाते हैं कि वे बैल से परिचित थे। पुरातत्वविदों का अनुमान है कि हल चलाने के लिए बैलों का उपयोग किया जाता था। iii. चोलिस्तान और बनावली के स्थलों पर हल के मिट्टी प्रतिरूप पाए गए हैं। iv. पुरातत्वविदों ने कालीबंगन (राजस्थान) में भी एक जुते हुए खेत के प्रमाण पाए हैं, जो प्रारंभिक हड़प्पा काल से संबंधित है। v. खेत में एक दूसरे के समकोण पर दो हल रेखाएं थीं, जिससे पता चलता है कि दो अलग-अलग फसलें एक साथ उगाई जाती थीं। vi. अफगानिस्तान के शोरतुघाई स्थित हड़प्पा स्थल पर नहरों के निशान पाए गए हैं। vii. कुओं से निकाला गया पानी सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता था। viii. धोलावीरा (गुजरात) में पाए गए जलाशयों का उपयोग कृषि के लिए पानी संग्रहित करने के लिए किया जाता रहा होगा। ix. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु) **अथवा** **(ख) कल्पना कीजिए कि आपका विद्यालय हड़प्पा सभ्यता पर एक प्रदर्शनी आयोजित कर रहा है और आप उसमे हड़प्पा लिपि से जुड़े अनुभाग के लिए उत्तरदायी हैं। आप आगंतुकों को इसके कौन से तीन पहलू स्पष्ट करेंगे?** i. हड़प्पा की मुहरों पर एक पंक्ति में कुछ लिखा है, जो संभवतः मालिक के नाम व पदवी को दर्शाता है। ii. चित्र (आमतौर पर एक जानवर) अनपढ़ लोगो को सांकेतिक रूप से इसका अर्थ बताता था।	3 - 4 15	3 3

	iii. ज़्यादातर अभिलेख छोटे हैं, सबसे लंबे अभिलेख में लगभग 26 चिन्ह हैं। iv. हालाँकि यह लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी है। v. यह स्पष्ट रूप से वर्णमाला क्रम में नहीं थी क्योंकि इसमें बहुत अधिक चिह्न हैं - लगभग 375 और 400 के बीच। vi.यह लिपि दाएं से बाएं लिखी जाती थी क्योंकि कुछ मुहरों पर दाईं ओर अधिक अंतर और बाईं ओर सिकुड़न दिखती है। vii. यह लिखावट कई वस्तुओं पर मिली है: मुहरे, तांबे के औज़ार, मर्तबानों के किनारे, तांबे और मिट्टी की लघुपट्टिकाए, आभूषण,अस्थि-छड़ें और प्राचीन सूचना पट्ट । viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)		
23.	**मौर्य प्रशासन की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** i. साम्राज्य में पाँच प्रमुख राजनीतिक केंद्र थे-जिसकी राजधानी पाटलिपुत्र थी। ii. तक्षशिला, उज्जयिनी, तोसली और सुवर्णगिरि के प्रांतीय केंद्रों का उल्लेख अशोक के अभिलेखों में मिलता है। iii. विशाल साम्राज्य में एक समान प्रशासनिक व्यवस्था रही है। iv. साम्राज्य में शामिल क्षेत्र बड़े विविध और भिन्न-भिन्न प्रकार के थे। अफ़गानिस्तान के पहाड़ी क्षेत्र और उड़ीसा के तटवर्ती क्षेत्र। v. सबसे प्रबल प्रशासनिक नियंत्रण राजधानी और प्रांतीय केंद्रों के आसपास के क्षेत्रों में था। vi. तक्षशिला और उज्जयिनी दोनों ही महत्वपूर्ण लंबी दूरी के व्यापार मार्गों पर स्थित थे। vii. सुवर्णगिरी (सोने का पहाड़) कर्नाटक में सोने की खदानों के लिए उपयोगी था। viii. साम्राज्य के संचालन के लिए भूमि और नदियों द्वारा दोनों रास्तों से आवागमन बहुत ज़रूरी था। ix. मेगस्थनीज ने सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक समिति और छह उप-समितियों का उल्लेख किया है। x. अशोक ने धम्म का प्रचार द्वारा अपने साम्राज्य को एक साथ रखने की कोशिश की। xi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)	32-34	3
24.	**भारतीय समाज को समझने में अल-बिरूनी के सामने आई बाधाओं की व्याख्या कीजिए।** i. भाषा – संस्कृत अरबी और फ़ारसी से भिन्न थी। ii. धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं में अंतर। iii. स्थानीय आबादी का खुद में खो जाना और उसके कारण अलग-थलग पड़ जाना। iv.कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	124	3

	(मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)		
25.	**(क) सिख धर्म में गुरु गोबिंद सिंह की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** i.वह दसवें गुरु थे। ii. उन्होंने नौवें गुरु तेग बहादुर की रचना को शामिल किया। iii. उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब की रचना की। iv. उन्होंने खालसा पंथ की नींव रखी । v. उन्होंने पाँच सिख प्रतीकों को परिभाषित किया। vi. उन्होंने सिख धर्म को एक सामाजिक-धार्मिक और सैन्य शक्ति के रूप में मजबूत किया। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु) **अथवा** **(ख) कबीर के दर्शन में 'परम सत्य' के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।** i.कबीर की कविताएँ कई भाषाओं और बोलियों में बची हुई हैं; और कुछ निर्गुण कवियों की खास भाषा, संत भाषा में लिखी गई हैं। दूसरी कविताएँ उलटबांसी के नाम से जानी जाती हैं। ii. शब्दों में परम सत्य का स्वरूप: "बिना फूल के खिलने वाला कमल" या "समुद्र में भड़की हुई आग" जैसे अभिव्यक्तियाँ कबीर के रहस्यमय अनुभवों की भावना व्यक्त करती हैं। iii.उन्होंने परम सत्य को अल्लाह, खुदा, हज़रत और पीर के रूप में वर्णित किया। iv. उन्होंने वेदांतिक परंपराओं से लिए गए शब्दों का भी इस्तेमाल किया, जैसे अलख (अदृश्य), निराकार (निराकार), ब्रह्म, आत्मा, आदि। v.शब्द (ध्वनि) या शून्य (शून्यता) जैसे रहस्यमय अर्थ योगिक परंपराओं से लिए गए थे। vi.कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)	164 161	3 3
26.	**18वीं शताब्दी के दौरान अंग्रेजों ने राजमहल पहाड़ियों के लोगों (पहाड़ियों) का शोषण किस प्रकार किया? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।** i. जैसे-जैसे स्थायी कृषि का विस्तार हुआ, वन और चारागाहों का क्षेत्रफल कम होता गया। इससे पहाड़ी लोगों और स्थायी किसानों के बीच संघर्ष और बढ़ गया। ii. 1770 के दशक में अंग्रेजों ने पहाड़ियों का पीछा करके उन्हें मारने की क्रूर नीति अपनाई। iii. 1780 के दशक में, भागलपुर के कलेक्टर ऑगस्टस क्लीवलैंड ने शांति स्थापित करने की नीति प्रस्तावित की। iv.पहाड़ियों के सरदारों को वार्षिक भत्ता दिया गया और उन्हें अपने लोगों के उचित आचरण के लिए जिम्मेदार बनाया गया।	239	3

	उनसे अपेक्षा की जाती थी कि वे अपने क्षेत्रों में व्यवस्था बनाए रखें और अपने लोगों को अनुशासित रखें। v. कई पहाड़ियों के सरदारों ने भत्ते लेने से इनकार कर दिया। जिन्होंने स्वीकार किया, उनमें से अधिकांश ने समुदाय में अपना अधिकार खो दिया। vi.औपनिवेशिक सरकार के वेतनभोगी होने के कारण, उन्हें अधीनस्थ कर्मचारी या वेतनभोगी सरदार के रूप में देखा जाने लगा। vii. जैसे-जैसे शांति अभियान जारी रहे, पहाड़िया लोग पहाड़ों में गहराई तक पीछे हट गए, खुद को शत्रुतापूर्ण ताकतों से अलग कर लिया और बाहरी लोगों के साथ युद्ध जारी रखा। viii. प्रतेक श्वेत व्यक्ति एक ऐसी शक्ति का प्रतीक प्रतीत होता था जो उनके जीवन शैली और जीविका के साधनों को नष्ट कर रही थी, उनके जंगलों और जमीनों पर उनका नियंत्रण छीन रही थी। ix. औपनिवेशिक सरकार ने संथालों को निचली पहाड़ियों में बसने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसके कारण पहाड़िया लोग सूखे, पथरीले और बंजर इलाकों में और भी गहराई तक पीछे हट गए। x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)		
27.	**भारत की संविधान सभा ने संघवाद के मुद्दे को किस प्रकार संबोधित किया विश्लेषण कीजिए।** i. जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रपति को एक पत्र लिखा जिसमें एक मजबूत केंद्रीय प्राधिकरण का प्रावधान किया गया था जो केंद्र और राज्य के बीच शांति और समन्वय सुनिश्चित कर सके। ii.संविधान के मसविदे में विषयों की तीन सूचियाँ बनाई गई थीं: केंद्रीय, राज्य और समवर्ती सूची। iii.अन्य संघो की तुलना में बहुत ज़्यादा विषयों को केंद्र के नियंत्रण में रखी गईं| iv.समवर्ती सूची में भी प्रांतों की इच्छाओं की उपेक्षा करते हुए बहुत ज़्यादा विषय रखे गए । iii. खनिज पदार्थो और प्रमुख उद्योगों पर भी केंद्र सरकार को नियंत्रण दिया गया था। iv. अनुच्छेद 356, में गवर्नर की सिफारिश पर केंद्र सरकार को राज्य सरकार के सारे अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार दे दिया । v.संविधान में वित्तीय संघवाद की एक जटिल व्यवस्था बनाई गई। vi. कुछ करों(जैसे, सीमा शुल्क और कंपनी कर) से होने वाली सारी आय केंद्र सरकार के पास रखी गई|	334	3

	vii . दूसरे मामलों में (जैसे आय कर और आबकारी शुल्क) में होने वाली आय राज्य और केंद्र सरकारों के बीच बाँट दी गई | viii. दूसरे मामलों से होने वाली आय (जैसे, स्तरीय शुल्क) उन्हें पूरी तरह से राज्यों को दे दिया। ix. राज्य सरकारों को अपने स्तर पर भी कुछ कर वसूलने का अधिकार दिया गया : इनमें ज़मीन और संपति कर , बिक्री कर , और बोतलबंद शराब पर कर वसूल कर सकते थे। x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)		
	खंड-ग **(दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**3x8=24**
28.	**(क) उन उदाहरणों का वर्णन कीजिए जो भारत के प्रारंभिक ऐतिहासिक काल में बंधुत्व, विवाह और शासक वंश सबंधी ब्राह्मणीय नियमों का सर्वत्र अनुसरण न होने को दर्शाते हैं।** i . यह दो चचेरे भाइयों, कौरवों और पांडवों के बीच भूमि और सत्ता को लेकर संघर्ष का वर्णन करता है, जो एक ही शासक परिवार, कौरवों के वंश से संबंधित थे,जिनका एक जनपद पर शासन था। ii.अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली का अनुसरण करते थे हालांकि, इसमें विभिन्नता थी- कभी पुत्र के न होने पर एक भाई दूसरे का उतराधिकारी हो जाता था। iii. कभी-कभी बन्धु- बांधव सिंघासन पर अपना अधिकार जमाते थे, और कुछ ही खास हालात में, प्रभावती गुप्ता जैसी औरतें भी सत्ता संभालती थीं। iv. ऋग्वेद जैसे धार्मिक ग्रंथों के मंत्रों में साफ़ दिखता है। कि अमीर लोग और ब्राह्मण भी ऊँचे ओहदे का दावा करने वाले लोगों में रहे होंगे। v. धर्मसूत्र और धर्मशास्त्रों में विवाह के आठ प्रकारों को मान्यता दी गई है। जिनमें से पहले चार " उत्तम" माने जाते थे, जबकि बाकी की निंदा की गई हैं। हो सकता है, कि ये उन लोगों में प्रचलित हों जो ब्राह्मणवादी नियमों को नहीं मानते थे। vi. सातवाहन शासकों से शादी करने वाली रानियों के नामों से पता चलता है कि उनमें से कई के नाम उनके पिता के गोत्र जैसे गौतम और वशिष्ठ से लिए गए थे। vii. अंतर्विवाह (एंडोगैमी) या बंधुओ में विवाह संबंध को दर्शाता हैं, जो दक्षिण भारत के कई समुदायों में प्रचलित थी। बांधवों (जैसे ममेरे, चचेरे भाई-बहन) के साथ विवाह संबंध एक सुगठित समुदाय उभर पाता था। viii. सातवाहन शासकों की पहचान मातृ -नाम के माध्यम से की जाती थी। ix . शास्त्रों के अनुसार, केवल क्षत्रिय ही राजा हो सकते थे। हालाँकि, कई महत्वपूर्ण शासक वंशों की उत्पत्ति शायद अलग-	55,56,58, 60, 62,63	8

	अलग थी। मौर्यों, जिन्होंने एक बड़े साम्राज्य पर शासन किया और उनके उदभव पर बहस हुई। x. अन्य शासकों को, जैसे शक जो मध्य एशिया से आए थे, को ब्राह्मणों द्वारा म्लेच्छ, बर्बर या बाहरी माना जाता था। xi. सातवाहन वंश के सबसे मशहूर शासक, गोतमी-पुत्र सिरी-सातकनी, खुद को एक अनोखा ब्राह्मण और साथ ही क्षत्रियों का घमंड तोड़ने वाला बताया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि चारों वर्णों के लोगों के बीच विवाह संबंध होने पर उसने रोक लगाई| उसी समय, उन्होंने रुद्रदामन के परिवार से विवाह संबंध स्थापित किए। xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन किया जाए) **अथवा** **(ख) महाभारत के समलोचनात्मक संस्करण को तैयार करने मे वी.एस. सुकथान्कर और उनकी टीम द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।** i. 1919 में, भारतीय संस्कृतज्ञ वी.एस. सुकथंकर के नेतृत्व में, दर्जनों विद्वानों ने मिलकर महाभारत का सम्लोचनात्मक संस्करण तैयार करने का काम शुरू किया| ii.देश के अलग-अलग हिस्सों से, अलग-अलग लिपियों में लिखी गई महाभारत की पांडुलिपियों को एकत्रित किया गया| iii. विद्वानों ने शलोकों की तुलना करने का एक तरीका निकाला| iv. उन्होंने उन शलोकों को चुना जो सभी पांडुलिपियों में पाए गए थे| और उनका प्रकाशन 13,000 पृष्ठों में किया| v. इस परियोजना को पूरा होने में 47 वर्ष लगे। vi. दो बातें विशेष रूप से उभर कर आई: पहली संस्कृत के कई पाठो के अनेक अंशो में समानता थी| इस बात से स्पष्ट होता है कि समोंचे उपमहाद्वीप में पाई गई पांडुलिपियों में समानता देखने को मिलती है| vii.दूसरी बात स्पष्ट हैं कि इसमें बहुत ज़्यादा क्षेत्रीय प्रभेद उभर कर सामने आए | viii. कुल मिलाकर, 13,000 पेज में से आधे पेज इन्हीं बदलावों का ब्योरा देते हैं। ix. यह प्रभेद उन प्रक्रियाओं को दिखाते हैं जिन्होंने प्रभावशाली परम्पराओं और लचीले स्थानीय विचार और आचरण द्वारा समाजिक इतिहासों को रूप दिया | x. इन्ही सभी प्रक्रियाओं के बारे में हमारी समझ उन ग्रंथो पर आधारित हैं जो संस्कृत में ब्राह्मणों द्वारा उन्ही के लिए लिखे गए हैं | xi. कालांतर में विद्वानों ने पाली, प्राकृत और तमिल ग्रंथो के माध्यम से अन्य परंपराओ का अध्ययन किया| xii. इन अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ कि आदर्शमूलक संस्कृत ग्रंथ आमतूर से अधिकारिक मांने जाते थे|	54	8

	xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए)		
29.	**(क) "विजयनगर साम्राज्य की मंदिर स्थापत्य कला विशिष्ट और अद्वितीय थी।" इस कथन की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।** i. राय गोपुरम अथवा राजकीय प्रवेशद्वार थे, जो अक्सर केन्द्रीय देवालयों की मीनारों को बोना प्रतीत कराते थे और जो लंबी दूरी से ही मंदिर के होने का संकेत देते थे। ii. शायद ये राजाओं की ताकत की याद दिलाने के लिए भी थे, जो इन ऊँची मीनारों को बनाने के लिए ज़रूरी साधन ,तकनीक और कौशल को जुटाने में सक्षम थे। iii. दूसरी खास बातों में मंडप और लंबे, खंभों वाले गलियारे शामिल हैं जो अक्सर मंदिर परिसर के अंदर पूजा की जगहों के चारों ओर बने होते थे। iv. विरुपाक्ष मंदिर को बनने में कई सदियों का समय लगा। हालांकि अभिलेखों से पता चलता है कि सबसे पुराना मंदिर नौवीं-दसवीं सदी का था, लेकिन विजयनगर साम्राज्य की स्थापना के बाद इसे काफी बड़ा किया गया। v.मुख्य मंदिर के सामने का मण्डप कृष्णदेव राय ने अपने राज्याभिषेक की याद में बनवाया था। इसे बारीक नक्काशी वाले खंभों से सजाया गया था। vi. उन्हें पूर्वी गोपुरम के निर्माण का श्रेय भी दिया जाता है। vii. इन चीज़ों को जोड़ने का मतलब था कि केन्द्रीय देवालय पूरे परिसार के छोटे भाग तक सीमित रह गया था। viii. मंदिर के हॉल का इस्तेमाल कई तरह के कामों के लिए किया जाता था। कुछ जगहों पर देवताओं की मूर्तियां रखी जाती थीं ताकि संगीत, नृत्य, नाटको के विशेष कार्यक्रम देखे जा सकें। ix. कुछ का इस्तेमाल देवताओं की शादी के मौके पर होता था और कुछ का इस्तेमाल देवताओं के झूला झूलने के लिए होता था। x. इन अवसरों पर छोटे केंद्रीय मंदिर में रखी गई मूर्तियों से अलग विशेष मूर्तियों का उपयोग किया जाता था। xi. विट्ठल मंदिर में मुख्य देवता विट्ठल थे, जो भगवान विष्णु का एक रूप है जिसकी पूजा आमतौर पर महाराष्ट्र में की जाती है। xii. विठ्ठल मंदिर में भी कई सभागार तथा रथ के आकार का एक अनोखा मंदिर है। xiii. मंदिर परिसर की एक खास बात रथ मार्ग हैं जो मंदिर के गोपुरम से सीधी रेखा में जाती हैं। xiv. ये सड़कें पत्थर की पट्टियों से पक्की थीं और खंभों वाले मंडपों से सजी थीं जिनमें व्यापारी अपनी दुकानें लगाते थे। xv. हजारा राम मंदिर सबसे शानदार मंदिरों में से एक था जो शाही केंद्र में स्थित था।	183,185-188	8

	xvi. यह शायद सिर्फ़ राजा और उसके परिवार के लिए ही इस्तेमाल किया जाता था। xvii. बीच वाले मंदिर की मूर्तियां गायब हैं; हालांकि, दीवारों पर बनी मूर्तियां बची हुई हैं। xviii. इस मंदिर की भीतरी दीवारो पर रामायण से लिए गए कुछ दृश्य उत्कीर्णित हैं। xix.कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा** **(ख) "विजयनगर के राजकीय केंद्र में भवनों की विभिन्न प्रकार की सरंचनाए थीं, जो साम्राज्य की प्रतिष्ठा को दर्शाती थीं।" इस कथन की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।** i. राजकीय केंद्र बस्ती के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित था। ii. इसे राजकीय केंद्र की संज्ञा दी गई हैं, पर इसमें 60 से ज़्यादा मंदिर शामिल थे। iii.लगभग तीस संरचनाओ की पहचान महलों के तौर पर की गई है। ये काफ़ी बड़ी इमारतें हैं जो किसी पूजा-पाठ से जुड़ी हुई नहीं लगतीं। iv. इन संरचनाओं और मंदिरों के बीच एक अंतर यह है कि मंदिर पूरी तरह से राजगिरी से निर्मित थे, जबकि धर्मनिरपेक्ष भवनों की अधिरचना विकारी वस्तुओं से बनाई गई थी। v. महानवमी डिब्बा क्षेत्र की कुछ अधिक विशिष्ट संरचनाओं को इमारतों के रूप के साथ-साथ उनके कार्यों के आधार पर नाम दिए गए हैं। vi. 'राजा का भवन ' सबसे बड़ा है, लेकिन इसके राजकीय निवास होने का कोई निश्चित प्रमाण नहीं मिला है। vii. इसमें दो सबसे प्रभावशाली मंच हैं, जिन्हें आमतौर पर "सभा मंडप' और "महानवमी डिब्बा" कहा जाता है। viii. पूरा क्षेत्र ऊंची दोहरी दीवारों से घिरा हुआ है और उनके बीच एक गली है। ix. सभा मंडप एक ऊँचा मंच है जिसमें पास-पास और नियमित अंतराल पर लकड़ी के स्तंभों के लिए छेद बने हैं। x. इसमें दूसरी मंजिल तक जाने के लिए सीढ़ियाँ थीं, जो इन स्तंभों पर टिकी हुई थीं। xi. स्तंभ पास-पास होने की वजह से बहुत कम खाली जगह बची होगी और इसलिए यह साफ़ नहीं है कि सभा मंडप का इस्तेमाल किस लिए किया जाता था। xii. 'महानवमी डिब्बा' एक विशाल मंच है जो लगभग 11,000 वर्ग फीट के आधार से 40 फीट की ऊंचाई तक जाता है।	179-183	8

	xiii. यह एक लकड़ी की संरचना बनी थी| मंच का आधार उभरी हुई नक्काशी से ढका हुआ है। xiv. इस संरचना से जुड़े रीति-रिवाज संभवतः दस दिन के हिंदू त्योहार जैसे- दुर्गा पूजा,दशहरा तथा महानवमी मनाया जाता था | xv. इस अवसर पर विजयनगर के राजाओं ने अपनी प्रतिष्ठा, शक्ति और आधिपत्य का प्रदर्शन किया। xvi. इस मौके पर होने वाले धर्मानुष्ठान में मूर्ति की पूजा, राज्य के अश्व की पूजा, और भैंसों और दूसरे जानवरों की बलि सम्मिलीत थी। xvii. इस मौके पर नृत्य, कुश्ती के प्रतिस्पर्धा, सजे-धजे घोड़ों, हाथियों, रथों और सैनिकों की शोभा यात्रा निकाली जाती थी | xviii.साथ ही राजा और उनके मेहमानों के सामने मुख्य नायकों और उनके अधीनस्थ राजाओं द्वारा भेट दी जाती थी। xix. त्योहार के अंतिम दिन राजा एक खुले मैदान में एक बड़े समारोह में अपनी सेना और नायकों की सेनाओं का निरीक्षण करता था। इस अवसर पर नायक राजा के लिए कीमती भेट तथा साथ ही नियत कर भी लाते थे। xx. राजकीय केंद्र की सबसे प्रसिद्ध इमारतों में से एक कमल महल है। यह शायद एक ऐसी जगह जहाँ राजा अपने सलाहकारों से मिलते थे। xxi. हजारा राम मंदिर सबसे शानदार मंदिरों में से एक था जो राजकीय केंद्र में था। शायद यह सिर्फ़ राजा और उनके परिवार के इस्तेमाल के लिए था। **xxii.** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए)		
30.	**(क) भारत छोड़ो आंदोलन के कारणों और घटनाओं की परख कीजिए।** i. 1935 में, एक नए गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट ने किसी न किसी तरह की सीमित प्रतिनिधिक शासन व्यवस्था का वादा किया। ii. दो साल बाद, सीमित मताधिकार के आधार पर हुए चुनाव में कांग्रेस को बड़ी जीत मिली। 11 में से 8 प्रांतों में कांग्रेस के "प्रधानमंत्री" सता में आए| जो एक ब्रिटिश गवर्नर की देखरेख में काम करते थे। iii. सितंबर 1939 में, कांग्रेस मंत्रिमंडल के सत्ता संभालने के दो साल बाद, दूसरा विश्व युद्ध शरू हो गया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू दोनों ही हिटलर और नाज़ियों के कड़े आलोचक थे। iv. कांग्रेस युद्ध की कोशिशों में साथ दे, अगर बदले में अंग्रेज़, लड़ाई खत्म होने पर भारत को आज़ादी देने का वादा करें।	301-303	8

	v. प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया। विरोध में, कांग्रेस मंत्रिमंडल ने अक्टूबर 1939 में इस्तीफा दे दिया। vi. 1940 और 1941 के दौरान, कांग्रेस ने शासकों पर युद्ध खत्म होने के बाद आज़ादी का वादा करने के लिए दबाव डालने के लिए कई अलग –अलग सत्याग्रह किए। vii. राजनितिक माहौल अब मुश्किल होता जा रहा था: अब यह भारतीय बनाम ब्रिटिश नहीं था; बल्कि, यह कांग्रेस, मुस्लिम लीग और ब्रिटिश के बीच तीन तरफा लड़ाई बन गई थी। viii. ब्रिटेन में एक सर्वदलीय सरकार सता में थी, जिसके लेबर पार्टी सदस्य भारतीय आकांक्षाओं के प्रति सहानुभूति रखते थे। ix. 1942 के वसंत में, चर्चिल ने अपने एक मंत्री, सर स्टैफ़ोर्ड क्रिप्स को गांधीजी और कांग्रेस के साथ समझौता करने के लिए भारत भेजा था। x. हालांकि, बातचीत तब टूट गई जब कांग्रेस ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अगर उसे धुरी शक्तियों से भारत की रक्षा करने में ब्रिटिश को मदद करनी है, तो वायसराय को पहले अपनी कार्यकारी परिषद् में एक भारतीय को रक्षा सदस्य नियुक्त करना होगा। xi. क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद, महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपना तीसरा बड़ा आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। xii. यह “भारत छोड़ो” अभियान था, जो अगस्त 1942 में शुरू हुआ था। xiii. हालांकि गांधीजी को तुरंत जेल भेज दिया गया, लेकिन युवा कार्यकर्ताओं ने पूरे देश में हड़तालें और तोड़फोड़ की। xiv. कांग्रेस के समाजवादी सदस्य, जैसे जयप्रकाश नारायण, भूमिगत प्रतिरोध में विशेष रूप से सक्रिय थे। xv.कई ज़िलों में, जैसे पश्चिम में सतारा और पूर्व में मेदिनीपुर में, “स्वतंत्र” सरकारों की घोषणा की गई। xvi .‘भारत छोड़ो’ सही मायनों में एक जन आंदोलन था, जिसमें लाखों आम भारतीय शामिल हुए। xvii. इसने खास तौर पर युवाओं को जोश दिया, जो बहुत बड़ी संख्या में जेल जाने के लिए अपने कॉलेज छोड़ चुके थे। xviii. इन्हीं सालों में मुस्लिम लीग ने पंजाब और सिंध प्रांतों में अपनी पहचान बनानी शुरू की, जहाँ पहले इसकी मौजूदगी बहुत कम थी। xix . कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा**		

	(ख) असहयोग आंदोलन के कारणों और घटनाओं की परख कीजिए। i. 1914-18 के महायुद्ध के दौरान, अंग्रेजों ने प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिया था और बिना जाँच के हिरासत में लेने की अनुमति दे दी थी। ii. गांधीजी ने "रॉलेट एक्ट" के खिलाफ पूरे देश में अभियान चलाने की अपील की। उत्तर और पश्चिम भारत के शहरों में, बंद के आह्वान पर दुकानें बंद हो गईं और स्कूल बंद हो गए, जिससे जीवन ठहर सा गया। iii. पंजाब में विरोध प्रदर्शन खास तौर पर बहुत ज़्यादा थे, जहाँ कई लोगों ने युद्ध में ब्रिटिश पक्ष में काम किया था और उम्मीद की थी कि उन्हें अपनी सेवा के लिए इनाम मिलेगा। इसके बजाय उन्हें रॉलेट एक्ट दिया गया। iv. पंजाब जाते समय गांधीजी को हिरासत में ले लिया गया, जबकि स्थानीय प्रमुख कांग्रेसियों को गिरफ्तार कर लिया गया। v. प्रांत में स्थिति उत्तरोत्तर तनावपूर्ण होती गई, जो अप्रैल 1919 में अमृतसर में एक खून- खराबे के चरमोत्कर्ष पर पहुंच गई, जब एक अंग्रेज ब्रिगेडियर ने अपने सैनिकों को एक राष्ट्रवादी सभा पर गोलीबारी करने का आदेश दिया, जिसे जलियाँवाला बाग हत्याकांड के रूप में जाना जाता है। vi. खिलाफत आंदोलन, जो सर्व –इस्लामवाद के प्रतीक खलीफा को फिर से स्थापित करना चाहता था, जिसे हाल ही में तुर्की के शासक कमाल अतातुर्क द्वारा समाप्त कर दिया। vii.1919 के भारत सरकार अधिनियम से भारतीय असंतोष थे। viii. गांधीजी ने ब्रिटिश राज के साथ "असहयोग" अभियान चलाने का आह्वान किया। जो भारतीय उपनिवेशवाद खत्म करना चाहते थे, उनसे कहा गया कि वे स्कूल, कॉलेज और अदालत जाना बंद कर दें और कर न दें। ix. "ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार के साथ सभी ऐच्छिक संबंधों के त्याग" का पालन करने के लिए कहा गया। x. गांधीजी ने कहा कि अगर असहयोग आंदोलन को अच्छे से लागू किया गया तो भारत एक साल के अंदर स्वराज प्राप्त कर लेगा। xi. गांधीजी को उम्मीद थी कि असहयोग को खिलाफत के साथ जोड़कर, भारत के दो बड़े धार्मिक समुदाय, हिंदू और मुसलमान, मिलकर ओपनेवैशिक शासन को खत्म कर सकते हैं। xii. विद्यार्थियों ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्कूल और कॉलेज जाना बंद कर दिया। xiii.वकीलों ने अदालत जाने से मना कर दिया। कई शहरों और कस्बों में मज़दूर वर्ग हड़ताल पर चला गया।	289-291	8

	xiv. 1921 में 396 हड़तालें हुईं, जिनमें 6 लाख मज़दूर शामिल थे और 70 लाख कार्यदिवसों का नुकसान हुआ | xv. ग्रामीण इलाके भी असंतोष से भरे हुए थे। उत्तरी आंध्र में पहाड़ी जनजातियों ने जंगल के कानूनों का उल्लंघन किया। xvi. अवध में किसान कर नहीं देते थे। xvii. कुमाऊं के किसानों ने उपनेवैशिक अधिकारियों का बोझा ढोने से मना कर दिया। ये विरोध आंदोलन कभी-कभी स्थानीय राष्ट्रवादी नेतृत्व के खिलाफ जाकर किए जाते थे। xviii. इसमें प्रतिवाद, परित्याग और आत्म-अनुशासन शामिल था। यह स्व-शासन के लिए प्रशिक्षण था। xix. फरवरी 1922 में, किसानों के एक समूह ने सयुक्त प्रान्त के चौरी चौरा पुरवा में एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया और उसमे आग लगा दी। आग में कई पुलिस वालों की जान गई। इस हिंसा की वजह से गांधीजी ने आंदोलन पूरी तरह से बंद कर दिया। xx. असहयोग आंदोलन के दौरान हज़ारों भारतीयों को जेल में डाल दिया गया। गांधीजी को मार्च 1922 में गिरफ्तार किया गया और उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया। xxi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए)		
	खंड-घ **(स्रोत आधारित प्रश्न)**		**3x4=12**

31.	**<u>बौद्ध ग्रंथ किस प्रकार तैयार एवं संरक्षित किए जाते थे</u>** **(31.1) बुद्ध के सभाषणों को उनके जीवनकाल में क्यों नहीं लिखा गया ? सपष्ट कीजिए।** (क) उन्हें मौखिक रूप से पढ़ाया जाता था (ख) उनके अनुयायियों द्वारा चर्चा और बहस के माध्यम से उन पर चर्चा की जाती थी। (ग) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(31.2) संरक्षण के लिए लिखने से पहले मौखिक रूप से प्रेषित करने के प्रभाव का आकलन कीजिए।** (क) बातचीत से चर्चा हुई। (ख) पुरुष, महिलाएं और बच्चे इन प्रवचनों में शामिल हुए और उन्होंने जो सुना, उस पर चर्चा की। (ग) उनके बाद उनकी शिक्षाओं को उनके शिष्यों ने वेसली में 'बुज़ुर्गों' या वरिष्ठ भिक्षुओं की एक सभा बुलाई गई , उनकी शिक्षाओं का संकलन किया गया । (घ) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(31.3) विनय पिटक और सुत्त पिटक के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।** (क) विनय पिटक में संघ या मठों में रहने वाले लोगों के लिए नियमों का संग्रह था । (ख) बुद्ध की शिक्षाएँ सुत्त पिटक में शामिल की गई । (ग) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	86	1 1 2
32.	**<u>पहाड़ी कबीलों और मैदानों के बीच व्यापार, लगभग 1595</u>** **(32.1) पहाड़ों और मैदानों के बीच का व्यापार मुगल अर्थव्यवस्था के लिए क्यों महत्वपूर्ण था?** (क) साम्राज्य के अंदर सामान का लेन-देन था । (ख) वाणिज्यिक कृषि का प्रसार । (ग) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(32.2) मैदानी लोगों को पहाड़ी जनजातियों के साथ व्यापार से कैसे लाभ हुआ?** (क) उन्हें दैनिक उपयोग के लिए वन उत्पाद प्राप्त होते थे। (ख) वन वस्तुओं का विदेशों में निर्यात किया गया। (ग) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	210	1 1

	(कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(32.3) अबुल फजल ने पहाड़ी जनजातियों द्वारा ले जाने वाले माल की विविधता का वर्णन किस प्रकार किया?** (क) उत्तरी पहाड़ों से बड़ी मात्रा में सामान लोगों की पीठ पर लादकर लाया जाता है। (ख) मोटे- मोटे घोड़ो की पीठ पर (ग) बकरों की पीठ पर (घ) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		2
33.	**<u>सिपाही क्या सोचते थे</u>** **(33.1) सिपाहियों ने 'अर्ज़ी' में अपने विद्रोह को कैसे उचित ठहराया?** (क) सिपाही अपने धर्म और आस्था को बचाए रखना चाहते थे। (ख) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(33.2) अंग्रेजों ने नए कारतूसो को कैसे प्रस्तुत किया?** (क) साल 1857 में अंग्रेजों ने हुकुम जारी किया कि इंग्लैंड से आए नए कारतूस और बंदूकें दी जाएगी। (ख) नए कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी मिली हुई हैं। (ग) उन्होंने ये कारतूस 3rd लाइट कैवेलरी के घुड़सवार सैनिकों को दिए और उन्हें दांतों से खींचने का आदेश दिया। (घ) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(33.3) सिपाहियों और भारतीय मुखियाओं ने साथ मिलकर कार्य क्यों किया?** (क) उनका एक ही दुश्मन ब्रिटिश सरकार थी। (ख) उनका मानना था कि एकता से ताकत मिलती है। (ग) वे अपने धर्म और आस्था की रक्षा करना चाहते थे। (घ) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	273	1 1 2
	खंड-ड. **(मानचित्र आधारित प्रश्न)**		**3+2=5**
34.	**(34.1) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 27 पर) में निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त चिन्हों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए :** (i) धोलावीरा – विकसित हड़प्पा स्थल (ii) नागार्जुनकोंडा – प्राचीन बौद्ध स्थल (iii) (क) आगरा – मुगलों के अधीन क्षेत्र **अथवा**	 2 95 214	 1 1 1

	(ख) बीजापुर – मध्यकालीन राज्य		
	(34.2) भारत के इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित केन्द्रों को 'A' और 'B' दो स्थानों के रूप में अंकित किया गया है। उनको पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए।	174	1
	A. कलकत्ता	289-290	1
	B. अमृतसर		1
	नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परिक्षथीयों के लिए प्रश्न संख्या 34 के स्थान पर हैं:		
	(34.1) **वर्तमान पाकिस्तान में किसी एक विकसित हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख कीजिए।**	2	1
	हड़प्पा/मोहनजोदड़ो/ चन्हूदड़ो /बालाकोट/कोट दीजी (कोई एक)		
	(34.2) पूर्वी भारत में स्थित एक प्राचीन बौद्ध स्थल का उल्लेख कीजिए।	95	1
	सारनाथ/बोधगया/लुम्बिनी (कोई एक)		
	(34.3) (क) मुगलों के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए।	214	1
	आगरा/पानीपत/अजमेर/दिल्ली/अंबर/लाहौर/गोवा (कोई एक)		
	अथवा		
	(34.3) **(ख) विजयनगर साम्राज्य के किसी एक पड़ोसी राज्य का नाम लिखिए।**	174	1
	बीदर / गोलकोंडा / बीजापुर (कोई एक)		
	(34.4) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के किन्हीं दो केन्द्रों के नाम लिखिए।	287-305	2
	चंपारण/खेड़ा/अहमदाबाद/बनारस/अमृतसर/चौरी-चौरा/लाहौर/बारडोली/दांडी/बॉम्बे/कराची (कोई दो)		

प्रश्न सं. 34 के लिए

For question no. 34